मनसा सेवा - 28

➢➢ किन तलों (LEVELS) पर विजयी बनना हैं ?

➳ _ ➳ संकल्पों के तल पर

→ जो प्रण किया है की “मुझे यह करना है”... तो वह करके दिखाना ही है

➳ _ ➳ बोल के तल पर

→ हर बोल कल्याणकारी हो

➳ _ ➳ कर्म के तल पर

→ हर कर्म से... चाल चलन से... सेवा हो

→ हर कर्म में रूहानियत हो

→ अलोकिक सेवाओं में सफलता

➳ _ ➳ योग का तल

→ **ऐसा पावरफुल अमृतवेला योग जिसका प्रभाव सारा दिन रहे**

➳ _ ➳ ज्ञान का तल

→ ऐसा अनुभव हो की अथाह ज्ञान सम्पदा हर पल हमारे साथ है

→ ज्ञान मनन सदैव हर्षित रखता है ...

➳ _ ➳ संबंधो के तल पर

→ हमारे संबंधो में हल्कापन हो... कोई मनमुटाव / टकराव न हो

→ किसी की कोई गलती पकड़ के न रखें... मन में किसी के लिए कडवापन न हो...

➳ _ ➳ स्व परिवर्तन

→ अपने पुराने संस्कारों / आदतों का परिवर्तन

→ अपनी गलत संस्कारों को JUSTIFY न करें... स्वीकार करें..

➳ _ ➳ दूसरों का परिवर्तन

➳ _ ➳ प्रकृति का परिवर्तन

➳ _ ➳ निंद्राजीत बनने में

➢➢ विजयी कैसे बनें ? सफलता कैसे हासिल करें ?

➳ _ ➳ दृढ़ता

➳ _ ➳ एकाग्रता

→ SIDE SEEN को पूरी तरह से IGNORE

➳ _ ➳ तीव्र इच्छा शक्ति

➳ _ ➳ शक्ति

➳ _ ➳ समस्याओं को STEPPING STONE समझें

➳ _ ➳ लगन

➳ _ ➳ Sub Conscious Mind की पॉवर का use करें / Power Of Visualisation का use करें

➢➢ विफलता के क्या कारण हैं ?

➳ _ ➳ स्वयं के प्रति हीन भावना

➳ _ ➳ अलबेलापन / आलस्य

➳ _ ➳ दूसरों को / परिस्थितियों को दोष देना

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 20 - 21 Of Mansa Sewa Book

---